UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 04 | January – March 2018

''परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति मेरठ जनपद के अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन''

डा0 इन्दिरा सिंह
वरिष्ठ आचार्या
किशन इन्सटीट्यूट ऑफ टीचर्स एजूकेशन
मेरठ।

डा0 मुनेन्द्र कुमार
आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
किशन इन्सटीट्यूट ऑफ टीचर्स एजूकेशन
मेरठ।

सारांश

Key terms- परिवार नियोजन,जन्म नियन्त्रण, अभिभावक, अभिवृत्ति, आर्थिक स्तर

भारत में अशिक्षा तथा जागरूकता के अभाव की वजह से जनसंख्या विस्फोट के गंभीर खतरे साफ दिखाई देने लगे हैं। सच्चाई यह है कि यदि भारत ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर पर रोक नहीं लगाई तो यह 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा। जनसंख्या वृद्धि भारत के लिए एक ज्वलन्त समस्या है जिसका समय रहते समाधान करना अत्यन्त आवश्यक है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् वर्ष 1949 में भारत में 'परिवार नियोजन संघ' (Family Planning Association) की स्थापना की गयी। इसके पश्चात् वर्ष 1952 में पूरे देश में अत्यन्त विस्तृत एवं तीव्र रूप में परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रारम्भ किया गया। वर्ष 1966 में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पृथक् रूप से एक परिवार–नियोजन विभाग की स्थापना की गयी। 'राष्ट्रीय जनसंख्या नीति' 2000 (National Population Policy, 2000) में भारतीय सरकार द्वारा वर्ष 2010 तक गर्भ निरोधन उपायों द्वारा जनसंख्या को नियन्त्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। भारतवर्ष में परिवार नियोजन सम्बन्धी शोध कार्य अभी शैशवावस्था में ही है इसलिए शोधकर्त्री ने उक्त विषय को शोध का आधार बनाया है। प्रस्तुत अध्ययन में परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति मेरठ जनपद के अभिभावको की अभिवृत्ति को उनके आर्थिक स्तर (उच्च तथा निम्न) के आाधार पर जाना गया। तद्हेतु 120 पुरूष अभिभावक(60 उच्च आर्थिक स्तर तथा 60 निम्न आर्थिक स्तर) तथा 120 महिला अभिभावकों (60 उच्च आर्थिक स्तर तथा 60 निम्न आर्थिक स्तर) कुल 240 का चयन सम्भाव्यता पर आधारित ''याद्दिच्छकी न्यादर्श चयन विधि'' द्वारा किया गया। परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति को तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation), काई स्क्वायर (X^2) तथा 'टी' परीक्षण ('t' test) का प्रयोग किया गया। संकलित ऑकडो के विश्लेषण से परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर (उच्च, निम्न) के आधार पर सार्थक अन्तर प्राप्त नही हुआ।

1) भूमिका –किसी भी देश की समृद्धि का ताना–बाना तभी बेहतर तरीके से बुना जा सकता है जब उसकी सकल आबादी तथा उपलब्ध संसाधनों के बीच एक व्यवस्थित संतुलन हो। दोनों की स्थिति का पृथक्–पृथक् मूल्यांकन तथा उनको एक इकाई के रूप में नियंत्रित करना दोनों के साथ न्याय नहीं कर पाना है। आवश्यकता इस बात की है कि दोनों की पारस्परिकता का वास्तविक अवलोकन करते हुए एक साथ दोनो के लिए सही योजनाएँ बनायी जाएँ तथा उनका क्रियान्वयन किया जाए।

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 04 | January – March 2018

विश्व की कुल आबादी का आधा या इससे ज्यादा हिस्सा एशियाई देशो में है। चीन, भारत और अन्य एशियाई देशों में अशिक्षा तथा जागरूकता के अभाव की वजह से जनसंख्या विस्फोट के गंभीर खतरे साफ दिखाई देने लगे हैं। सच्चाई यह है कि यदि भारत ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर पर रोक नहीं लगाई तो यह 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा। जनसंख्या वृद्धि भारत के लिए एक ज्वलन्त समस्या है जिसका समय रहते समाधान करना अत्यन्त आवश्यक है। यू.एन. की वर्तमान रिपोर्ट के अनुसार भारत की आबादी इस समय 1.21 अरब है और यहाँ प्रत्येक एक मिनट में 25 बच्चे पैदा होते है।एक मिनट में 25 बच्चों का जन्म यह स्पष्ट करता है कि आज चाहे भारत कितनी भी प्रगति कर रहा हो या शिक्षित होने का दावा करता हो पर जमीनी हकीकत में अब भी जनसंख्या विस्फोट के प्रति आम जनता की जागरूकता नाम मात्र की है। जागरूकता के लिए अनेक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं परन्तु केवल किसी एक विभाग, संस्था या व्यक्ति जनसंख्या विस्फोट के प्रति लोगों मे जागरूकता उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक व्यापक जन आन्दोलन की आवश्यकता है। वर्ष 1966 में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पृथक् रूप से एक परिवार–नियोजन विभाग की स्थापना की गयी। 'राष्ट्रीय जनसंख्या नीति' 2000 (National Population Policy, 2000) में भारतीय सरकार द्वारा वर्ष 2010 तक गर्भ निरोधन उपायों द्वारा जनसंख्या को नियन्त्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया ।

भारतवर्ष में परिवार नियोजन सम्बन्धी शोध कार्य अभी शैशवावस्था में ही है। रेड्डी (2003)[20] ने परिवार नियोजन के प्रति विवाहित पुरूषों की अभिवृत्ति सकारात्मक पायी। काजी (2006)[11] ने परिवार नियोजन कार्यक्रम की सफलता हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता को आवश्यक बताया। मऊ (2006)[14] ने महिलाओं को परिवार–नियोजन साधनों के प्रयोग से संतुष्ट बताया। प्राची (2008)[19] ने यह पाया कि महिलाओं को परिवार नियोजन तथा गर्भनिरोधन के सम्बन्ध में पर्याप्त ज्ञान था। डींगरा (2010)[8] ने ग्रामीण महिलाओं में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता का अभाव बताया। शैफई (2012)[22] ने पाया कि महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों में परिवार नियोजन के प्रति उच्च ज्ञान था। वैमबुई (2012)[31] को केन्या की सांस्कृतिक मान्यताओं के कारण परिवार–नियोजन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त नहीं हुआ । तिलहेम (2013)[28] के अनुसार इथीयोपिया की शिक्षित जनसंख्या परिवार–नियोजन तथा परिवार नियोजन साधनों से भली–भाँति परिचित थी। शैफियू (2013)[23] के अनुसार दम्पत्तियों का परिवार नियोजन के प्रति ज्ञान व जागरूकता का स्तर उच्च था लेकिन उसे व्यवहार में लाने का स्तर निम्न था। मिर एवं शेख (2013)[15] ने पाया कि धार्मिक अन्धविश्वास के कारण पाकिस्तान में परिवार–नियोजन के प्रति सकारात्मक सोच नहीं थी। रेशमा (2015)[21] ने ग्रामीण विवाहित महिलाओं में परिवार नियोजन विधियों के ज्ञान तथा व्यवहार में पर्याप्त जागरूकता का अभाव पाया।

प्रस्तुत शोध के द्वारा पुरुष एवं महिला अभिभावको की परिवार–नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति आर्थिक स्तर के आधार पर जानने का प्रयास किया गय है।

2) अध्ययन के उद्देश्य –

1. परिवार–नियोजन तथा जन्म–नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर (उच्च तथा निम्न) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
2. परिवार–नियोजन तथा जन्म–नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर (उच्च तथा निम्न) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
3. परिवार–नियोजन तथा जन्म–नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर (उच्च तथा निम्न) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 04 | January – March 2018

3) <u>शोध परिकल्पना (Research Hypothesis)</u>– प्रस्तुत शोध हेतु परिकल्पनाओं का निर्धारण इस प्रकार किया गया–

1. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर (उच्च तथा निम्न) आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर(उच्च तथा निम्न) आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर(उच्च तथा निम्न) आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

4) <u>प्रतिदर्श (Sample)</u>– प्रस्तुत शोध में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जनपद के पुरूष एवं महिला अभिभावक न्यादर्श के रूप में लिए गए। प्रस्तुत शोध कार्य को पूर्ण करने हेतु 120 पुरूष अभिभावक(60 उच्च आर्थिक स्तर तथा 60 निम्न आर्थिक स्तर) तथा 120 महिला अभिभावकों (60 उच्च आर्थिक स्तर तथा 60 निम्न आर्थिक स्तर) कुल 240 का चयन सम्भाव्यता पर आधारित ''याद्दिच्छकी न्यादर्श चयन विधि'' द्वारा किया गया। अभिवृत्ति मापन हेतु चयनित न्यादर्श का वितरण सारणी 1 में प्रस्तुत है–

<u>सारणी संख्या–1</u>

अभिवृत्ति मापन हेतु अभिभावकों का वर्गीकरण

पुरूष अभिभावक	महिला अभिभावक	**कुल योग (240)**
उच्च आर्थिक स्तर	उच्च आर्थिक स्तर	**60+60=120**
निम्न आर्थिक स्तर	निम्न आर्थिक स्तर	**60+60=120**

4) <u>शोध उपकरण (Research Tool)</u>– शोध में प्रयुक्त उपकरण इस प्रकार हैं–परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति जानने हेतु **डा0 एम0 राजामानिककम** द्वारा निर्मित **''फैमिली प्लानिंग एण्ड बर्थ कन्ट्रोल एटीट्यूड स्केल'' (Family Planning and Birth Control Attitude Scale)** नामक परीक्षण का प्रयोग किया गया। मूल रूप से यह अभिवृत्ति मापनी अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध थी लेकिन शोधकर्त्री ने इसका हिन्दी भाषा में अनुवाद किया ताकि मापनी भरते समय अभिभावकों को भाषा की समस्या का सामना न करना पड़े।

5) <u>प्रदत्त संग्रह</u>–प्रस्तुत शोध संग्रह में प्रदत्त संग्रह हेतु सर्वेक्षण की विश्लेषणात्मक विधि का प्रयोग किया गया।

6)<u>फलांकन</u>– उक्त अभिवृत्ति मापनी को निर्धारित न्यादर्श अर्थात् पुरूष एवं महिला अभिभावकों पर प्रशासित कर उनकी प्रतिक्रियाओं के आधार पर प्राप्तांक प्राप्त किए जिससे अभिवृत्ति का वर्गीकरण किया जा सकें। प्राप्तांकों के आधार पर अभिवृत्ति का वर्गीकरण सारणी–2 में प्रदर्शित है–

<u>सारणी–2</u>

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 04 | January – March 2018

प्राप्तांको के आधार पर अभिवृत्ति का वर्गीकरण

क्र0सं0	प्राप्तांक	अभिवृत्ति का स्तर
1	289–320	उच्च सकारात्मक अभिवृत्ति
2	225–288	सामान्य सकारात्मक अभिवृत्ति
3	161–224	तटस्थ अभिवृत्ति
4	97–160	सामान्य नकारात्मक अभिवृत्ति
5	64–96	उच्च नकारात्मक अभिवृत्ति

उक्त अभिवृत्ति मापनी में प्रत्येक पद के फलांकन हेतु 'लिकर्ट तकनीक' का प्रयोग किया गया। मापनी के कथन सकारात्मक व नकारात्मक दो श्रेणियों में विभाजित थे तथा इसके फलांकन हेतु पाँच बिन्दु निर्धारण मापनी प्रयोग में लायी गयी।

7) प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ– प्रदत्तों का विश्लेषण करने के लिए जिन सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया वे इस प्रकार है–

1. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिभावकों की अभिवृत्ति सम्बन्धित प्रदत्तों का विश्लेषण अभिवृत्ति मापनी के आधार पर एम0 राजामानिककम द्वारा निर्धारित मानकों की सहायता से किया गया।
2. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति को तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation), काई स्क्वायर (X^2) तथा 'टी' परीक्षण ('t' test) का प्रयोग किया गया।
3. **सार्थकता स्तर**– प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं का परीक्षण 0.05 एवं 0.01 स्तरों पर किया गया है।

8) प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या– प्रयुक्त विधियों एवं प्रविधियों के अनुसार संकलित आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं उसके परिणामों का आंकलन इस प्रकार है–

1) प्रस्तुत अध्ययन का पहला उद्देश्य परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। इसे दो वर्गो में बाँटा गया– उच्च आर्थिक स्तर तथा निम्न आर्थिक स्तर निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति हेतु 'औसत प्राप्तांक', 'प्रतिशत' एवं 'टी' प्राप्तांक का प्रयोग किया गया। प्रतिशत के आधार पर 'टी' 't' मान द्वारा प्रतिशतों के मध्य प्राप्त अन्तर की सार्थकता की जाँच की गयी, जिसे सारणी– 3 में दर्शाया गया है–

सारणी– 3

परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति की आर्थिक स्तर आधारित तुलना

क्र.सं.	आयाम	आर्थिक स्तर	कुल संख्या (60)	अभिवृत्ति का स्तर	औसत प्राप्तांक	प्रतिशत	प्रामाणिक त्रुटि	't' प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
1-	जनसंख्या समस्या	उच्च	60	तटस्थ (200)	6.66	22.2	10.94	0.97	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	उच्च सकारात्मक (295)	9.83	32.77			
2	परिवार नियोजन	उच्च	60	उच्च सकारात्मक (350)	11.67	38.9	12.08	0.46	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	उच्च सकारात्मक (400)	13.33	44.43			
3	जनसंख्या नियन्त्रण	उच्च	60	उच्च सकारात्मक (300)	10	33.33	11.69	0.48	सार्थक अन्तर नहीं

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 04 | January – March 2018

		निम्न	60	उच्च सकारात्मक (350)	11.67	38.9			
4	प्रजनात्मकता नियन्त्रण	उच्च	60	तटस्थ (215)	7.17	23.9	10.49	0.05	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (220)	7.33	24.43			
5	जन्म नियन्त्रण विधि गर्भपात	उच्च	60	तटस्थ (220)	7.33	24.43	11.50	1.45	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	उच्च सकारात्मक (370)	12.33	41.1			
6	गर्भ निरोधन विधि :	उच्च	60	उच्च सकारात्मक (300)	10	33.33	12.08	1.38	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	उच्च सकारात्मक (450)	15	50			
7	बंध्यीकरण	उच्च	60	तटस्थ (211)	7.03	23.43	10.84	0.62	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	सामान्य सकारात्मक (271)	9.03	30.1			
8	विवाह की आयु	उच्च	60	तटस्थ (215)	7.17	23.9	11.34	1.27	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	उच्च सकारात्मक (345)	11.5	38.33			

अपेक्षित 'टी' मान– 0.05 स्तर पर 1.96
0.01 तर पर 2.58

सारणी के अनुशीलन से यह स्पष्ट होता है कि परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर (उच्च, निम्न) के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है। इस आधार पर यह स्पष्ट है कि परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति उच्च तथा निम्न आर्थिक स्तर के पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति एक समान है।

2) प्रस्तुत अध्ययन का दूसरा उद्देश्य परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। इसे दो वर्गो में बाँटा गया– उच्च आर्थिक स्तर तथा निम्न आर्थिक स्तर। निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति हेतु 'औसत प्राप्तांक', 'प्रतिशत' एवं 'टी' प्राप्तांक का प्रयोग किया गया। प्रतिशत के आधार पर 'टी' (t) मान द्वारा प्रतिशतों के मध्य प्राप्त अन्तर की सार्थकता की जाँच की गयी, जिसे सारणी 4 में दर्शाया गया है–

सारणी– 4

परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति की आर्थिक स्तर आधारित तुलना

क्र.सं.	आयाम	आर्थिक स्तर	कुल संख्या (60)	अभिवृत्ति का स्तर	औसत प्राप्तांक	प्रतिशत	प्रामाणिक त्रुटि	't' प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
1.	जनसंख्या समस्या	उच्च	60	तटस्थ (220)	7.33	24.43	10.36	0.22	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (200)	6.66	22.2			
2	परिवार नियोजन	उच्च	60	उच्च सकारात्मक (300)	10	33.33	11.10	0.80	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (200)	7.33	24.43			
3	जनसंख्या नियन्त्रण	उच्च	60	उच्च सकारात्मक (350)	11.67	38.9	11.39	1.27	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (220)	7.33	24.43			

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 04 | January – March 2018

4	प्रजनात्मकता नियन्त्रण	उच्च	60	सामान्य सकारात्मक (240)	8	26.67	10.52	0.42	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (200)	6.66	22.2			
5	जन्म नियन्त्रण विधि : गर्भपात	उच्च	60	तटस्थ (220)	7.33	24.43	10.48	0.05	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (215)	7.17	23.9			
6	गर्भ निरोधन विधि	उच्च	60	उच्च सकारात्मक (320)	10.67	35.57	11.17	1.10	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (210)	7	23.33			
7	बंध्यीकरण	उच्च	60	तटस्थ (220)	7.33	24.43	10.27	0.32	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (190)	6.33	21.1			
8	विवाह की आयु	उच्च	60	उच्च सकारात्मक (340)	11.33	37.77	11.28	1.28	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	तटस्थ (210)	7	23.33			

अपेक्षित 'टी' मान– 0.05 स्तर पर 1.96
0.01 स्तर पर 2.58

सारणी के अनुशीलन से यह स्पष्ट होता है कि परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर (उच्च, निम्न) के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है। इस आधार पर यह स्पष्ट है कि परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति उच्च तथा निम्न आर्थिक स्तर के महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति एक समान है।

3) प्रस्तुत अध्ययन का तीसरा उद्देश्य परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरुष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति हेतु 'X^2' मान (2×2 तालिका) का प्रयोग किया गया। परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति के तुलनात्मक अध्ययन को सारणी–6 में प्रदर्शित किया गया है–

सारणी–6

परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन

क्र.सं.	आयाम	क्षेत्र	कुल संख्या (240)		औसत प्राप्तांक		X^2 का मान	सार्थकता स्तर
			पुरूष	महिला	पुरूष	महिला		
1.	जनसंख्या समस्या	उच्च	60	60	6.66	7.33	0.44	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	60	9.83	6.66		
2.	परिवार नियोजन	उच्च	60	60	11.67	10	0.50	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	60	13.33	7.33		

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 04 | January – March 2018

3.	जनसंख्या नियन्त्रण	उच्च	60	60	10	11.67	0.95	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	60	11.67	7.33		
4.	प्रजनात्मकता नियन्त्रण	उच्च	60	60	7.17	8	0.07	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	60	7.33	6.66		
5.	जन्म नियन्त्रण विधिः गर्भपात	उच्च	60	60	7.33	7.33	0.60	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	60	12.33	7.17		
6.	गर्भ निरोधन विधि	उच्च	60	60	10	10.67	1.72	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	60	15	7		
7.	बंध्यीकरण	उच्च	60	60	7.03	7.33	0.35	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	60	9.03	6.33		
8.	विवाह की आयु	उच्च	60	60	7.17	11.33	0.00	सार्थक अन्तर नहीं
		निम्न	60	60	11.15	7		

अपेक्षित X^2 का मान– 0.05 स्तर पर 3.841

0.01 स्तर पर 6.635

सारणी के अनुशीलन से यह स्पष्ट होता है कि परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर (उच्च, निम्न) के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है। इस आधार पर यह स्पष्ट है कि परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति उच्च तथा निम्न आर्थिक स्तर के पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति एक समान है।

9) शैक्षिक निहितार्थ–सर्वप्रथम शैक्षिक क्षेत्र में इस विषय की महत्ता को किसी भी रुप में नकारा नहीं जा सकता। पुरुष एवं महिला अभिभावको के लिए उक्त विषय के परिणाम अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आम जनता, शिक्षा से जुड़े व्यक्तियों/संस्थाओं, चिकित्सीय क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों/संस्थाओं या यूँ कहे कि उक्त विषय एवं उसके परिणाम समस्त जनमानस के के लिए उपयोगी हो सकते है क्योंकि जनसंख्या विस्फोट की समस्या सर्वाधिक भारत देश में है। ऐसे में परिवार नियोजन की आवश्यकता प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी क्षेत्र का हो,परिवेश का हो, किसी भी आर्थिक स्तर का हो मिलकर प्रभावी कदम उठाना होगा।

References

1. उत्तर प्रदेश में परिवार नियोजन कार्यक्रम – एक परिदृश्य, लखनऊ : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।

2- Dhingra, Rajni et.al. (2010), 'Attitude of Couples Towards Family Planning.' *Jhum Ecol*, 30 (1) : 63-70. Retrieved from http://www.krepulishers.com Accessed on 03/06/15.

3- Kazi, Kulsoom (2006), 'A Study of Knowledge, Attitude and Practice (KAP) Of Family Planning Among the Women of Rural Karachi.' Retrieved from http://www.erpints.hec.gov.pk. Accessed on 18/05/15.

4- Mao, J. (2006), 'Knowledge, Attitude and Practice of Family Planning : A study of Tezu Village, Manipur (India).' *The International Journal of Biological Anthropology*, 1 (1) : Retrieved from http://www.ispub.com Accessed on 20/05/15.

5- Mir, Ali. Mohammad and Shaikh, Gul Rashida (2013), 'Islam and Family Planning : Changing Perceptions of Health Care Providers and Medical Faculty in Pakistan'. *Global Health : Science and Practice,* 1(2) : 228-235. Retrieved from http://www.ghsjournals.org Accessed on 02/06/15.

6- Prachi, Renjhen et.al (2008), 'A Study of knowledge, Attitude and Practice of Family Planning Among the Women of Reproductive Age Group in Sikkim.' *The Journal of obstetrics And Gynecology of India*, 58 (1) : 63-67. Retrieved from http://www.resesarchgate.net. Accessed on 02/06/15.

7- Reddy, Rajesh et.al. (2003), 'Rapid Appraisal of Knowledge, Attitude and Practices Related to Family Planning Methods Among Men within 5 year of married life.' *Indian J. Prev.soc.med,* 34 (1&2) : 62-67. Retrieved from http://www.medind.nic.in. Accessed on 05/06/15.

8- Reshma (2015), 'Awareness in Women Perception for Family Planning a case study of Baliyana Village (Rohtak).' *International Journal of Multidisciplinary Research and Development*, 2 (2) : 161-163 Retrieved from http://www.allsubjectjournal.com Accessed on 18/06/15.

9- Shafei, Mohd Nazri et.al. (2012), 'Knowledge and Attitude Towards Family Planning Practice and Prevalence of Short Birth Spacing Among Residents of Suburban Area in Terengganu, Malaysia.' *J. Community Med Health Educ,* 2 (9) : 1-4. Retrieved from http://www.omicsonline.org. Accessed on 06/06/15.

10- Shafiwu, Adinan Bahahudeen (2013), 'Awareness and Practices of Family Planning in the wa Municipality.' *Online Europeon Journal of Business and Management.'* 5 (19) : 132-143. Retrieved from http://www.iisle.org. Accessed on 17/05/15.

11- Tilahum, Tizta (2013), 'Family Planning Knowledge, Attitude and Practice Among Married Couples in Jimma Zone, Ethiopia.' *Journal list. PLOS One,* 8 (4) : Retrieved from http://www.ncbi.nlm.nih.gov. Accessed on 19/05/15.

12. Wambui, Theresan (2012), 'Perceptions of Family Planning and Sexually Transmitted Infections Among Low – Income men in Western Kenya.' P.hd. *Thesis (Published online),* Department of Medical and Health Sciences, Linkoking University, Sweden. Retrieved from http://www.liv.diva-portal.org. Accessed on 04/06/15.